Title: Request to allocate the excess water of Ganga and Yamuna rivers to the State Government of Rajasthan

प्रो. रासिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान में फिर से अकाल की स्थिति उत्पन्न होने लग गई है। वहां वर्षा बहुत कम होने के कारण बोई हुई फसलें सूखने लग गई है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि गंगा में जो बाढ़ आई हुई है, उस बाढ़ के पानी का कुछ हिस्सा राजस्थान को दिया जाए। चूंकि राजस्थान में कम वर्षा होने तथा आंतरिक स्रोतों से जल की उपलब्धता सीमित है। अत: स्वाभाविक है कि अन्तर्राज्यीय जल में राज्य के हिस्से के उपयोग को ज्यादा से ज्यादा प्राथमिकता प्रदान की जाए। इस संबंध में मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि 4-1-1988 को गंगा बाढ़ नियंत्रण मंडल की 11वीं बैठक में केन्द्रीय जल आयोग ने विस्तृत अध्ययन करके रिपोर्ट दी थी। उस रिपोर्ट के आधार पर तय हुआ था कि जब भी गंगा में बाढ़ की स्थिति पैदा हो तो उस समय बाढ़ अधिकाय का पानी राजस्थान को दिया जाए।â€¦(व्यवधान)

अत: मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि गंगा और यमुना में बाढ़ ज्यादा आने के कारण जो भी पानी बचता है, वह राजस्थान को दिया जाए।